पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने शहीद सैनिक परिवारजनों को सम्मानित किया
शहीदों के प्रति कुछ अच्छा करने पर मन को संतोष होता है - राज्यपाल
सेना और जनता का चोली-दामन जैसा साथ है - राज्यपाल

लखनऊः 28 दिसम्बर, 2014

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, लखनऊ एवं डाॅ0 के0एल0 गर्ग मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नारी शिक्षा निकेतन, कैसरबाग के परिसर में शहीद सैनिक सम्मान एवं पुनर्मिलन समारोह का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने इस अवसर पर परिसर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में भूतपूर्व सैनिक, शहीदों की वीरांगनाओं एवं परिवारजनों के साथ-साथ, डाॅ0 के0एल0 गर्ग मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष, श्री एस0के0 गर्ग, निदेशक, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, बिग्रेडियर अमूल्य मोहन, मेजर जनरल आर0एस0 मालवीय, लखनऊ के जिलाधिकारी श्री राजशेखर सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल द्वारा समारोह में विभिन्न युद्धों/आतंकवादी गतिविधियों में शहीद हुए जनपद लखनऊ के 61 सैनिकों के परिवारों, 37 युद्ध विकलांग सैनिकों एवं 32 वीरता पुरस्कार से पुरस्कृत सैनिकों को रू0 3,000 की नगद धनराशि एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। ट्रस्ट द्वारा इस वर्ष 27 आर्थिक रूप से कमजोर दिवंगत सैनिकों की पत्नियों को रू0 2,000 प्रतिमाह की आजीवन पेंशन के चेक साथ रू0 3,000 की नगद धनराशि एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट द्वारा भूतपूर्व सैनिकों एवं सेवारत 100 सैनिकों को रू0 2,000 की नगद धनराशि से पुरस्कृत किया गया तथा ऐसे अन्य 8 वीर सैनिकों को भी पुरस्कृत किया गया।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय सेना का इतिहास शौर्य का इतिहास है। देश की सेना अव्वल दर्जे की है। देश की रक्षा के लिए कड़ा संघर्ष करके तिरंगा ऊंचा रखने वाले सैनिक नमन योग्य हैं। सेना के लोग दिन के चैबीस घंटे, माह के तीस दिन और वर्ष के 365 दिन लगातार देश की रक्षा करते हैं। शहीद होने वाले सैनिकों को भारत नहीं भूलता। पूर्व प्रधानमंत्री, स्व0 लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान जय किसान का नारा देते हुए देश की जनता से एक दिन उपवास रखकर सीमा पर लड़ने वाले सैनिकों के लिए अनाज उपलब्ध कराने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि सीमा पर हमारे सैनिक विषम परिस्थितियों में काम करते हैं।

श्री नाईक ने कहा की शहीदों के प्रति कुछ अच्छा करने पर मन को संतोष होता है। जब वे पेट्रोलियम मंत्री थे तो शहीदों के परिवार के लिए सरकारी खर्च पर उन्होंने पेट्रोल पम्प व गैस एजेन्सी देने का निर्णय किया था। मध्य कमान की बात करते हुए उन्होंने बताया कि मरणोपरान्त परमवीर चक्र से सम्मानित प्रदेश के शहीदों के भित्ति चित्र लगाये गये हंै जो सराहनीय कार्य है। ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि जब सेना देश की रक्षा करें तो जनता उसका समर्थन करें। इससे देश की एकता मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि सेना और जनता का चोली-दामन जैसा साथ है। शहीद सैनिक की पत्नी को देखकर ऐसा विचार आता है कि उसके मन क्या विचार चल रहा होगा। उन्होंने कहा कि सेना के प्रति सामान्य नागरिक के मन में बडे आदर का भाव होता है।

डाॅ0 के0एल0 गर्ग मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के फाउण्डर ट्रस्टी एवं एल्डिकों गुरप के अध्यक्ष, श्री एस0के0 गर्ग ने अपने उद्बोधन में बताया कि ट्रस्ट के माध्यम से शहीद सैनिकों की वीरागंनाओं तथा शौर्य पुरस्कार विजेताओं का सम्मान व सामाजिक उत्थान का कार्य इसलिये कर रहे हैं ताकि अपने शहीद पिता, जिन्होंने कर्तव्य की बलिवेदी पर अपने प्राण

न्यौछावर किये और जो स्वयं एक उच्चकोटि के शिक्षाविद् थे, की स्मृति को जीवंत रख सकें तथा इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज के अन्य प्रबुद्धजन भी प्रेरित होकर इस दिशा में कार्य करें।

बिग्रडियर अमूल्य मोहन, निदेशक, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास द्वारा अपने सम्बोधन में भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण हेतु विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं एवं कल्याणकारी गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने सैनिकों के कल्याण हेतु राष्ट्रप्रेम की भावना एवं सैनिकों के उत्थान के लिये कार्य करने हेतु डा0 के0एल0 गर्ग मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष, श्री एस0के0 गर्ग द्वारा चलाये जा रहे शहीद सैनिक सम्मान कार्यक्रम के भूरि-भूरि सराहना करते हुए कहा कि यह सचमुच सैनिकों के लिए बडे गौरव की बात है।

सम्मान एवं पुनर्मिलन समारोह

पुनर्मिलन समारोह